

---

# Shri Hayagriva Mangalam

श्रीहयग्रीवमङ्गलम्

## Document Information

---

Text title : Hayagriva Mangalam

File name : hayagrIvamangalam.itx

Category : vishhnu, aShTaka, mangala

Location : doc\_vishhnu

Transliterated by : Chandrasekhar Karumuri

Proofread by : Chandrasekhar Karumuri

Latest update : August 18, 2023

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 24, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Shri Hayagriva Mangalam

---

### श्रीहयग्रीवमङ्गलम्

---



मङ्गलं श्रीहयास्थाय वेदाडराणकर्मणे ।  
प्राणवोद्गीतवपुषे हयग्रीवाय मङ्गलम् ॥ १ ॥

यतुःषष्टिकलाधीश! विश्वरूप! हयानन! ।  
महार्णवाभ्युपर्यङ्कु! विष्णवे तेऽस्तु मङ्गलम् ॥ २ ॥

अनिरुद्धाय सौम्याय वेदभर्त्रे सनातन! ।  
श्रीदाय श्रीमयायास्तु मङ्गलं स्वामिने तव ॥ ३ ॥

भद्रश्रीवत्सलाराढ्य! पञ्चरात्रप्रवर्तक! ।  
भक्तात्मभावभवन! मङ्गलं तेऽस्तु मुक्तिद ॥ ४ ॥

सर्वकर्मसमाराध्य! पूर्णषाड्गुणयविग्रह! ।  
श्रिया गाढोपगूढात्मन्! मङ्गलं ते हयानन! ॥ ५ ॥

अङ्गेनोद्भूय वाग्देवीमाचार्यकमुपाश्रित! ।  
मङ्गलं तेऽस्तु वागीश! श्रीनिधे! श्रीनिकेतन ॥ ६ ॥

स्वराजे य विराजे य संराजे ते हयानन! ।  
वेदकर्त्रे वेदभर्त्रे वेदहर्त्रेऽस्तु मङ्गलम् ॥ ७ ॥


क्षमासाराय उरथे दयाधन! हयानन! ।  
वेदवेदान्तवेधाय सर्वदा तव मङ्गलम् ॥ ८ ॥

श्रीरङ्गनाथेन भक्तेन हयग्रीवस्य मङ्गलम् ।  
रचितं प्रीतये तस्य भूयात् सर्वत्र मङ्गलम् ॥ ९ ॥


एति श्रीहयग्रीवमङ्गलं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Chandrasekhar Karumuri

---

——  
*Shri Hayagriva Mangalam*

pdf was typeset on September 24, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

